हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 28 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

जिले में 1.10 लाख से अधिक बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य

मण्डला। जिले में 28 जून रविवार को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो से बचाव के लिए दो बूंद जिंदगी की दवा पिलाई जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी.जे. मोहन्ती ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने नन्हे-मुन्ने बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं। अभियान का शुभारंभ 28 जून को बूथ दिवस के रूप में होगा। इस दिन जिले के सभी पोलियो बूथों पर सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को चिन्हित कर उन्हें भी पोलियो की खुराक पिलाएंगी। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. वाय.के. धानिया ने बताया कि अभियान के दौरान जिले में 1 लाख 10 हजार 615 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 1,289 पोलियो बूथ (295 शहरी एवं 994 ग्रामीण) बनाए गए हैं। साथ ही 67 ट्रांजिट बूथ एवं 36 मोबाइल टीमों का गठन किया गया है, जो अभियान के दौरान 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों तक पहुंच सुनिश्चित करेंगी। स्वास्थ्य विभाग ने जिले के नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि 28 जून (पोलियो रविवार) को अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर अवश्य ले जाएं और उन्हें पोलियो की जीवनरक्षक दो बूंद दवा पिलाकर इस अभियान को सफल बनाएं।

प्रतिबंध के बावजूद खुलेआम जिले में बिक रही नशे की सामग्री

अब वॉलंटियर्स करेंगे जिले को नशा मुक्त

*** जड़ को छोड़ पत्तों पर चलाई जा रही कुल्हाड़ी।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

नर्मदा तट पर शराब के विक्रय एवं परिवहन पर प्रतिबंध के पूर्व जहां गिनती की शराब दुकानें होती थी, परिवहन नियम के तहत होता था और समय-समय पर ही ये दुकानें खुलती एवं बंद होती थी इन दुकानों से शासन को राजस्व भी प्राप्त होता था लेकिन माँ नर्मदा के प्रति आस्था प्रकट करते होंगे नर्मदा तट पर किसी भी तरह के शराब के विक्रय एवं परिवहन को प्रतिबंधित कर दिया गया इस आदेश का सबसे ज्यादा फायदा ''आपदा में अवसर'' की तरह आबकारी विभाग ने उठाया और जहां 2-4 दुकानें होती थी वहां 4 सैकड़ा ठीहे खुलवा दिये गये गली-गली, गांव-गांव सभी तरह की शराब आसानी से उपलब्ध होनी लगे और जब नशे की ये वस्तुयें आपको घर बैठे उपलब्ध होंगी तो लोग उपयोग करेंगे ही।

अब नशा मुक्त अभियान चलाया जा रहा है युवाओं को नशे से दूर रखने वॉलंटियर्स तैयार किये जा रहे हैं और उन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे नशा करने वाले युवाओं के पास जाकर उन्हें समझायें कि वे नशे से दूर रहें। यह स्वास्थ्य एवं जीवन के लिये हानिकारक है।

प्रशासन एवं शासन का मानना है कि युवा गलत संगत के कारण ही नशे की गिरफ्त में आते हैं तो उन युवकों को समझाने के लिये विशेष वॉलंटियर्स की आवश्यकता है और इसी उद्देश्य के तहत विशेष वॉलंटियर्स तैयार किये जा रहे हैं और उन्हें प्रशिक्षित भी किया जा रहा है लेकिन शासन, प्रशासन इस दिशा में गंभीर नहीं दिखाई दे रहा कि आखिर इन युवाओं के पास नशे की वस्तुयें पहुंच कैसें रही हैं कौन हैं वे समाज के दुश्मन जो इन युवाओं को नशे की कालकोठरी में ढकेल रहे हैं। पहले जहां गांव में कुछ हद तक कच्ची शराब एवं गांजा ही नशे के इस्तेमाल के लिये उपलब्ध हो पाता था अब तो हर तरह के नशे के समान गांव-गांव उपलब्ध हो रहे हैं।

नशे की वे सामग्रियों जो पहले बड़े शहरों में ही बड़ी मुश्किल से मिल पाती थी अब वे ग्राम स्तर में भी आसानी से उपलब्ध कराई जा रही है इन माफियों का लम्बा-चौड़ा नेटवर्क जिले के कोने-कोने तक पहुंच रहा है ऐसे में क्या ये वॉलंटियर्स उन माफियाओं का सामना कर सकेंगे और शासन, प्रशासन क्या इस तरह की मुहिम से नशे के बढ़ते कारोबार पर अंकुश लगा सकेगा शायद नहीं 'यदि जहरीले पेड़ को समाप्त करना हो तो उसकी जड़ पर वार करना होगा पत्तो पर कुल्हाड़ी चलाने से कुछ नहीं होने वाला।'

138 मास्टर वॉलंटियर्स को दिया गया नशामुक्ति का प्रशिक्षण

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा वाल्मी, भोपाल के माध्यम से ''नशामुक्त भारत अभियान'' के अंतर्गत जिला पंचायत सभाकक्ष, मंडला में जिला स्तरीय मास्टर वॉलंटियर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं से आए 138 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में राज्य स्तरीय प्रशिक्षक श्री राजीव तिवारी एवं वाल्मी, भोपाल के समन्वयक श्री विजय कुमार गुप्ता ने नशे की रोकथाम, जनजागरूकता, प्रभावी प्रचार-प्रसार तथा मास्टर वॉलंटियर्स की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिकांश युवा गलत संगत के कारण नशे की गिरफ्त में आते हैं, इसलिए किशोर एवं युवावस्था में उचित मार्गदर्शन एवं जागरूकता आवश्यक है। मास्टर वॉलंटियर्स को ग्रामीण क्षेत्रों एवं युवाओं के बीच नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में नारकोटिक्स विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, ग्रामीण निकायों के सचिव, एनएसएस के विद्यार्थी, पैरालीगल वॉलंटियर्स, गायत्री परिवार एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अंत में सभी प्रतिभागियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दिलाते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

ट्रक से डीजल चोरी करने वाला आदतन आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा एवं एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन में थाना नैनपुर पुलिस ने ट्रकों से डीजल चोरी करने वाले एक आदतन आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नगद राशि, घटना में प्रयुक्त वाहन एवं अन्य सामग्री जप्त करने में सफलता प्राप्त की है।

दिनांक 26 जून 2026 को शेख शरीफ कुरैशी, निवासी उमरानाला, थाना मोहखेड़, जिला छिंदवाड़ा द्वारा थाना नैनपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 21 जून 2026 की रात्रि वह गेहूं लेकर नैनपुर आया था तथा ट्रक क्रमांक MH-40-9586 को निवारी क्षेत्र में खड़ा कर विश्राम कर रहा था। अगले दिन ट्रक की डीजल टंकी की जांच करने पर उसमें से लगभग 150 लीटर डीजल अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चोरी किया जाना पाया गया। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना नैनपुर में भारतीय न्याय संहिता (BNS) के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर थाना के निगरानी बदमाश अंशु उर्फ भूरा ठाकुर को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर फरियादी के ट्रक से लगभग 150 लीटर डीजल चोरी कर उसे बेच देना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है। प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपी की तलाश जारी है तथा मामले की विवेचना प्रचलन में है।

गिरफ्तार आरोपियों में अंशु उर्फ भूरा ठाकुर पिता राजकुमार ठाकुर(निवासी निवारी, थाना नैनपुर, जिला मंडला) शामिल रहे।

जप्त सामग्री में डीजल विक्रय से प्राप्त 8,000/- नगद, घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार, डीजल चोरी में प्रयुक्त 02 प्लास्टिक जरीकेन जप्त की गई।

गिरफ्तार आरोपी अंशु उर्फ भूरा ठाकुर एक आदतन अपराधी है, जिसके विरुद्ध विभिन्न जिलों के थानों में लूट, डकैती, चोरी, मारपीट, हत्या के प्रयास एवं आर्म्स एक्ट सहित 12 आपराधिक प्रकरण पूर्व से पंजीबद्ध हैं।

उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक मंशाराम वगेन, उप निरीक्षक दीपक बघेल, आरक्षक नवीन, ओमप्रकाश एवं आशीष साहू की सराहनीय भूमिका रही।

घरेलू विवाद में मां-बेटे ने पीया कीटनाशक

*** मंडला जिला अस्पताल में भर्ती, दोनों की हालत गंभीर।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला जिले के बम्हनी थाना क्षेत्र के सिलगी गांव में घरेलू विवाद के बाद मां-बेटे ने कीटनाशक पी लिया। दोनों की हालत गंभीर है और उन्हें मंडला जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, सिलगी निवासी बसंत नंदा का अपनी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर पत्नी ने मरने की धमकी दी और घर के अंदर चली गई। इसी दौरान बसंत नंदा ने कीटनाशक का सेवन कर लिया।

बेटे को कीटनाशक पीते देख उसकी 61 वर्षीय मां अनसुइया नंदा ने भी कीटनाशक का सेवन कर लिया। दोनों की तबीयत बिगड़ने पर परिजन ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनी पहुंचाया। वहां प्राथमिक इलाज के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए मंडला जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल में इलाज जारी, पुलिस जांच में जुटी।

मंडला जिला अस्पताल में मां-बेटे का इलाज जारी है और उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के पीछे के वास्तविक कारणों का अभी तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भ्रमण | **एमएसएमई दिवस पर ब्रेन चाइल्ड एकेडमी ने बच्चों के भ्रमण का किया आयोजन।**

विद्यार्थियों ने किया औद्योगिक इकाई का भ्रमण

*** सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की कार्यप्रणाली से हुये वाकिफ।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

एमएसएमई दिवस के अवसर पर ब्रेन चाइल्ड एकेडमी के द्वारा कक्षा 11वीं (वाणिज्य संकाय) के विद्यार्थियों के लिए मोहनटोला मंडला स्थित न्यूट्रिजो मिलेट्स प्राइवेट लिमिटेड एवं सिद्ध बाबा राइस मिल का शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की कार्यप्रणाली से व्यावहारिक रूप से परिचित कराना तथा कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक व्यावसायिक गतिविधियों से जोड़ना रहा।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने उत्पादन, विपणन, वित्त एवं प्रबंधन से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। उन्हें कच्चे माल से तैयार उत्पाद बनने तक की संपूर्ण उत्पादन श्रृंखला, गुणवत्ता नियंत्रण,आपूर्ति प्रबंधन तथा ब्रांडिंग रणनीतियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई।

इस अवसर पर उद्योग संचालक परिवार से नमन पमनानी,तनिष्क पमनानी ने विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया और उद्योग की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ संवाद एवं प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित कर उद्यमिता, व्यवसाय प्रबंधन तथा भविष्य की संभावनाओं पर अपने अनुभव साझा किए। इस सत्र ने विद्यार्थियों को व्यवसाय के व्यावहारिक पक्षों को समझने तथा उद्यमिता के प्रति प्रेरित होने का अवसर प्रदान किया। विद्यार्थियों ने बताया कि इस भ्रमण से उन्हें व्यवसाय अध्ययन, अर्थशास्त्र एवं लेखाशास्त्र जैसे विषयों को बेहतर ढंग से समझने में सहायता मिली। साथ ही उनकी विश्लेषणात्मक, अवलोकन एवं संचार क्षमताओं का भी विकास हुआ। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार इस प्रकार के औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों में नवाचार, नेतृत्व एवं उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करते हैं तथा उन्हें भविष्य के करियर विकल्पों के प्रति जागरूक बनाते हैं। इस सफल कार्यक्रम की संकल्पना विद्यालय की शिक्षिकाओं नित्या चौरसिया एवं अर्चना पाठक ने की, जबकि विद्यालय के निर्देशक निशांत शुक्ला ने सम्पूर्ण भ्रमण के प्रभावी आयोजन एवं प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय परिवार ने उद्योग प्रबंधन का सहयोग एवं आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया।

खबर संक्षेप

बैकों में दलाल नुमा लोगों को संरक्षण मिलने के कारण किसानों को नहीं मिल पा रहा है शासन की योजनाओं का लाभ

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। प्रदेश व केन्द्र सरकार द्वारा ग्रामीण कस्बे में निवास करने वाले किसानों के लिए अनेक प्रकार की योजनाए चलाई जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से किसान क्रिडिट कार्ड, फसल बीमा योजना आदि शामिल है। वही किसानों को इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकों की शाखाएं खोली गई है, मगर अक्सर देखा जाता है कि इन बैकों में बैठे अधिकारियों की मनमानी के चलते किसानों को शासन की योजनाओं का सही लाभ नही मिल पा रहा है, इसका उदाहरण इस समय शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बैंक में देखा जा रहा है, क्षेत्र के किसानों द्वारा आरोप लगाते हुए बताया है कि इन बैकों के अंतर्गत आने वाले ग्रामों के किसान बैंक के चक्कर लगाने पर मजबूर हो रहे है? क्षेत्र के कुछ किसानों ने हमारी हरिभूमि टीम से चर्चा करते हुए बताया कि इन दिनों क्षेत्र की बैंकों में कुछ दलाल काम कराने की दिशा में सक्रिय है, जिसके चलते अधिकारियों की मिली भगत होने से किसान अपना किसान क्रेरडिट कार्ड बनवाने के लिये परेशान होते देखे जा रहे है। वही काम यदि इन दलाल नुमा लोगों के माध्यम से कराया जाता है तो आसानी से हो जाता है? इस स्थिति के चलते इन दलाल नुमा लोगों को बैक अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त होने से इंकार नही किया जा सकता है? जिसमे देखा जावे तो क्षेत्र के कुछ ग्रामीण किसान जो कि खेती किसानी कर अपनी जीविका चलाते आ रहे है, वही किसान क्रेडिट कार्ड को बनवाने के लिए गांव से चलकर शहर पहुंचता है तो अधिकारियों द्वारा उसे कार्ड बनबाने के लिए सीधे दलालों के पास जाने की सलाह देने से नही चूकते है? आरोप है कि जब वह उनके पास पहुचता है

सरकार के खिलाफ मंडी परिसर में अन्नदाताओं ने भरी हुंकार, ट्रेक्टर प्रदर्शन रोकने के लिये प्रशासन से क्रेन मशीन सहित मुख्य मार्ग पर खड़े किय डंपर

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा अपने आपको किसान हितैषी बताते हुये अनेक प्रकार की योजनाये चलाने की बात तो कही जा रही है। मगर बीते हुये दिवस जब किसान आर्मी के तत्वाधान में किसानों ने सरकार के खिलाफ वादा खिलाफी का नारा लगाते हुये हुंकार भरी तो प्रशासन तंत्र सख्ते में आने से नही चूका। ज्ञात हो कि किसान आर्मी द्वारा अन्नदाता की परेशानियों को लेकर काफी दिनों पहले 27 जून को ट्रेक्टर प्रदर्शन के साथ साथ उग्र आंदोलन की चेतावनी दी गई थी। इस बात को ध्यान में रखते हुये जहां प्रशासन तंत्र पहले से ही सक्रिय नजर आ रहा था। वही दूसरी ओर देखा गया कि जब मंडी परिसर में हजारों की संख्या में क्षेत्र के अन्नदाता अपने अपने ट्रेक्टर सहित बेल गाड़ी लेकर आये तो क्षेत्र की अधिकारी चिंता में पढ़ने से नही चूके। सुरक्षा व्यवस्था में ध्यान में रखते हुये ऐसा प्रतीत होने से नही चूक रहा था की मानों संपूर्ण जिले का पुलिस प्रशासन अन्नदाताओं की आवाज दबाने के लिये लगा दिया गया है। वही किसानों के ट्रेक्टर प्रदर्शन को रोकने के लिये मंडी के मुख्य मार्ग पर अधिकारियों द्वारा क्रेन मशीन खड़ी करते हुये रास्ता बंद कर दिया गया था तो रास्ते में भारी भरकम डम्फर खड़े करबाने के साथ साथ जहां तहां बेरीकेट लगाते हुये मार्ग अवरूध करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी। इस प्रकार से सुबह से ही नगर की मंडी में परेशान किसानों का आना शुरू हो जाने के चलते जहां अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया द्वारा नगर के पुलिस थाने में अपना डेरा जमाते हुये पैनी नजर रखे हुये थें। वही दूसरी ओर गाडरवारा के आलवा समीपस्थ सांईखेड़ा, चीचली, डोगरगांव, करेली व नरसिंहपुर थाने से बुलाया गया भारी पुलिस बल तैनात दिखाई दे रहा था। इस तरह हजारों की संख्या में नगर की जवाहर कृषि मंडी में राष्ट्रवादी किसान आर्मी के तत्वाधान में आयोजित किये गये विरोध प्रदर्शन के दौरान एकत्र हुई अन्नदाताओं की भीड़ ने जहां उनकी परेशानी को उजागर कर दिया गया है। इस दौरान किसानो क्षेत्र के अनेक किसान अपने ट्रेक्टर तो कुछ किसान बेलगाड़ी लेकर पहुंचे। वही किसानों द्वारा सरकार के खिलाफ किये गये विरोध प्रदर्शन को संबोधित किसान नेताओं ने कहा कि केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा मंचों के माध्यम से अपने आपकों किसान हितैषी कहा जाता है। मगर किसानों की परेशानी को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि अन्नदाताओं द्वारा अपनी फसल पैदा करने में लगाई गई लागत भी खड़ी नही हो पा रही है। कृषि को लाभ का धंधा बनाने की बात कहने वाली सरकार के कार्यकाल में अन्नदाता का हाल यह बना हुआ है कि वह कर्ज के तले बदने के साथ साथ अपने बच्चों का पेट नही भर पा रहा है। एक ओर मंहगाई लगातार सुरसा के बदन की भांति बढ़ रही है। मगर किसानों के अनाज का कोई निर्धारित मूल्य नही है। समर्थन मूल्य के नाम पर अनाज के रेट तो निर्धारित कर दिये जाते है। मगर वह मात्र एक दिखाबा साबित होने से नही चूक पा रहे है। गर्मी के सीजन में पैदा की गई मूंग का सरकार द्वारा समर्थन मूल्य तो निर्धारित किया गया है। मगर उसकी खरीद मात्र 25 प्रतिशत की जा रही है। इस स्थिति में अब अन्नदाता को अपनी शेष 75 प्रतिशत मूंग का विक्रय व्यापारियों के समक्ष माटी मोल विक्रय करने के लिये मजबूर होना पड़ेगा। इसी प्रकार से अन्य फसलों में जैसे गेंहू हो या फिर कोई भी फसल का विक्रय करने के लिये जब किसान शासन द्वारा निर्धारित किये गये केन्द्रो पर किसान विक्रय करने के लिये पहुंचता है तो वहां पर उसकी गुणवत्ता को लेकर अनेक प्रकार के दांव पेच खेले जाते है और बगैर चढ़ोत्तरी के उसकी फसल पास ही नही होती है। मगर हैरत बाली बात तो यह है कि सरकार द्वारा जब किसानों की गेंहू फसल की खरीद की जाती है तो उसमें मिट्टी व कंकडों की पूरी जांच करने के बाद खरीदी जाती है। मगर वह गेंहू जब उचित मूल्य की दुकानों पर वितरण होने के लिये पहुंचता है तो मिट्टी गेंहू की भरमार हो जाती है। इतना ही नही यदि किसानों को सिंचाई के लिये बिजली की जरूरत पड़ती है तो क्षेत्र के नेताओं द्वारा कहा जाता है कि हर किसान को भाईयों को सिंचाई के लिये 12 घंटे बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। मगर वह नेताजी गांव में जाकर तो देखे कितनी और कैसी बिजली मिल रही है। गांवो में बिजली खराब हो जाती है तो उसके सुधार कार्य के लिय कई दिनों तक इंतजार करना पड़ता है। वही दूसरी ओर यदि किसान के खेतों में लगा हुआ ट्रांसफार्मर जल जाता है तो उसके बदलवाने के नाम पर दिन में तारे नगर आने से नही चूक पाते है। इन विशेष परिस्थितियों के बीच किसी भी तरह अन्नदाता रात दिन एक करते हुये अपने खेतों में फसल पैदा कर रहा है। मगर जब उसका विक्रय करने का समय आता है तो वहां पर भी मनमानी के चलते हाल यह बन चुका है कि किसान लगातार टूटते चला हा रहा है। वही दूसरी ओर चुनाव के पहले सरकार द्वारा किसानों को बोनस देने की बात कही गई थी आज तक उस बोनस को पता ही नही है। वही दूसरी ओर किसानों को अपनी जमीन संबंधी किसी कार्य के लिये जब राजस्व विभाग कार्यालय पहुंचते है तो वहां पर विराजमान हरियाली बाबुओं का बोला बाला होने के चलते बगैर लक्ष्मी पूजन के किसी भी व्यक्ति का काम होना संभव होने की कल्पना कर पाना एक सपने के समान दिखाई देने से नही चूक पाता है..? क्षेत्र के अनेक किसानों की जमीन के खसरों में राजस्व विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा लिखा पड़ी में की गई गलती का परिणाम बेचारे किसानों को भोगने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। हाल यह बना हुआ है कि किसी का खसरा नम्बर किसी दूसरे के नाम तो किसी के सही नाम की जगह गलत नाम दर्ज किये जाने के कारण किसान अपनी खेती बाड़ी का कार्य छोड़कर राजस्व अधिकारियों के कार्यालयों का चक्कर लगाते हुये देखे जाते है। इस तरह विभाग की गलतियों के चलते जहां किसानों को शासन की योजनाओं का लाभ नही मिल पा रहा है तो दूसरी ओर उसमें सुधार के नाम पर हरियाली बाबूओं के सामने लक्ष्मी पूजन करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है...? इस तरह नगर की नई गल्ला मंडी में हजारों की संख्या में एकत्र हुये किसानों द्वारा मुख्य रूप से सिंचाई के लिये 12 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के साथ साथ गर्मी सीजन की मूंग फसल को पूर्णरूप से समर्थन मूल्य पर खरीदी किये जाने तथा चुनाव के पहले की गई गन्ना फसल पर बोनस देने की मांग सहित अन्य मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। किसानों की भीड़ तथा अक्रोश को देखते हुये एसडीएम खुद ही पूरे दल बल के साथ उनका ज्ञापन लेने के लिये आयोजन स्थल मंडी पहुंच गये थें। मगर किसानों द्वारा वहां पर ज्ञापन देने से इंकार करते हुये एसडीएम कार्यालय में ही ज्ञापन देने की बात कही गई। इस प्रकार भारी संख्या में क्षेत्र के किसान मंडी परिसर से ट्रेक्टर व पैदल मार्च करते हुये एसडीएम कार्यालय पहुंचे जिसके चलते नगर के पलोटन गंज से पुलिस थाने के बीच किसानों की भीड़ के चलते जाम की स्थिति निर्मित होने से नही चूक पाई। वही जब अन्नदाता अपनी परेशानी को लेकर एसडीएम कार्यालय में प्रवेश हुये तो कार्यालय के अंदर का गेट बंद कर दिया गया और अधिकारियों का किसानों को अपनी मांगों से भरा हुआ ज्ञापन देने के लिये काफी लम्बे समय तक इंतजार करने के लिये मजबूर होना पड़ा। ज्ञापन लेने के लिये किसी अधिकारी के न आने व कार्यालय का गेट बंद होने से किसानों में आक्रोश छाने से नही चूका और वह प्रशासन तंत्र के साथ साथ सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुये नजर आये। सही मायने में देखा जावे तो एसडीएम कार्यालय में जिम्मेदार अधिकारियों की कार्य प्रणाली के चलते स्थिति बिगड़ते हुये नजर आने से नही चूक पाई। वह तो अच्छा हुआ कि गाडरवारा डीएसपी ललित सिंह डागूर, अजाक डीएसडी उमेश तिवारी तथा टीआई अशोक सिंह चौहान द्वारा समय रहते हुये किसानों के आक्रोश को कन्ट्रोल करने में सफलता हासिल कर ली गई थी नही तो नगर में कानून व्यवस्था बिगड़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता था...?

मातमी पर्व मोहर्रम का शनिवार को कर्बला में ताजियों के विसर्जन के साथ हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस्लाम धर्मावलंबियों के मातमी पर्व की 10 तारीख बीते हुये शुक्रवार को अकीदमंदों द्वारा हसन, हुसैन की याद में बनाए गए ताजिए नगर में निकाले गये, सैलाब देखता हूं तो होता है ये गुमान, पानी फिरता है तलाश-ए- हुसैन में, कातिल के सामने जो झुकाये न अपना सिर, समझों की उसके जेहन का मालिक हुसैन है। इन जजबातो को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष शहर के मुस्लिम भाईयों ने मातमी पर्व मोहर्रम शहर में भाईचारे का परिचय देते हुए मनाया गया। बताया जाता है कि हर साल ताजियों का मोहर्रम की 11 तारीख को मजमा शक्कर नदी में लगता था। मगर कुछ सालों से इस मजमे के लिये जगह परिवर्तित रूप में देखने मिली जो सुबह सभी ताजिये नए बस स्टैंड बाबड़ी अखाड़ा दरगाह के पास रखे गये। यहा पर अंतिम दीदार के लिए भारी संख्या में लोग पहुँचे बाबड़ी अखाड़ा दरगाह कमेटी द्वारा यहां पर माकूल इंतजाम कर लंगर तक्सीम किया गया दो-तीन घंटे तक मजमा चलने के बाद सभी ताजिये क्रमबद्ध तरीके से या हसन या हुसेन के नारे लगाते हुए कर्बला के पास बने कुंड में विसर्जित किये गए । लोगो ने नियाज फातेहा पढ़ने के बाद दुआ मांगी । इस तर मोहर्रम की 11 तारीख शनिवार के सुबह 8 बजे से ताजियों के अंतिम दीदार के लिए नये बस स्टैन्ड पर बाद नमाज फजर सभी ताजिये विसर्जन हेतु रवाना हुये जहां मजमा लगा रहा और मुस्लिम भाईयों व महिलाओं द्वारा ताजियों का अंतिम दीदार किया। बताया जाता है कि इस मजमें के पश्चात सभी ताजिये करबला शरीफ विसर्जन के लिए हसन हुसैन के नारों के साथ रवाना हुए, जो शक्कर नदी पुल से निकलते हुसे नपा द्वारा बनाये गये विसर्जन कुंड में ताजियों का सिवर्जन किया गया। इस मौके पर सैकड़ो लोगों ने ताजियों के अंतिम दीदार किये। इसके पूर्व शुक्रवार की रात्रि में यौम ए आशूरा पर स्थानीय चांवडी वार्ड बारह भाई इमाम बाड़े के सामने एकत्र हुये ताजियों पर रात भर मजमा लगा रहा। यहां पर बड़ी तादात में लोगों ने आकर ताजियों पर लोभान छोड़ा व रेबड़ी का प्रसाद चढ़ाकर अपनी मंन्नते मांगी। वही दूसरी ओर व्यवस्थाएं बनाने के लिए उप पुलिस अधीक्षक एल एस डागूर व नगर निरीक्षज अशोक सिंह चौहान ने अपनी टीम के साथ यहां पर सारी रात व्यवस्थाएं बनाने में जुटे हुये देखे गये और पूरा प्रशासन जहां पूर्णरूप से अलर्ट पोजिसन में नजर आया । इस मौके पर सवारियों ने पूरी रात नगर में रन किया तथा पूरी रात चले मजमे के बाद सुबह फजर की नमाज के उपरांत चांवड़ी से ताजियों का काफिला विसर्जन हेतु रवाना हुआ। शहीदी मोहर्रम की 11 तारीख को ताजियों को अलविदा करने के पूर्व अंतिम दीदार करने सैकड़ो की संख्या में लोग उनके दर्शन हेतु पहुंचते हुये देखे गये। वहां ताजियों पर रेबड़ी का प्रसाद चढ़ाकर ताजियों के समक्ष इत्र लोभान की धूनी देकर मंन्नते मांगी, ढोल तांसो के साथ पुरूषों,

युवाओ व छोटे बच्चों द्वारा एकता व भाईचारे का प्रदर्शन किया तथा ताजियों का मजमा व विसर्जन को देखने के लिए शहर के अलावा आस पास के ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग आये थें। करबला में जगह जगह लंगर छबील का वितरण किया गया। इस दौरान जामा मस्जिद समिति द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि यहां पर शहर के ताजियों के आलवा समीपस्थ ग्राम कामती, सालीचौका, लिलवानी सहित अन्य जगहों की ताजिये भी आये हुए है जिन्हें स्थानीय शक्कर नदी करबला पर नपा द्वारा बनाये कुंड में सभी ताजियों को विसर्जित किया गया। जहां पर ताजियों के विसर्जन का सिलसिला करीब दो घंटे तक चला, करबला शरीफ से लौटते वक्त टोलियों के साथ बहुत से लोग अलविदा अलविदा सारे शहीदों कर्बला या हुसैन इब्ने अली, दो जहां के सुल्तान अलविदा पढ़ते हुये ताजियाँ ठंडे करने के बाद अपने अपने घर वापिस लौटे।

दुकानों से लेकर वाहनों में नजर आ घरेलू गैस का दुरूपयोग, यदि किसी दिन घटना घटित हुई तो कौन होगा जिम्मेदार...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

यह बात अलग है कि इस समय लोगों को गैस आसानी से उपलब्ध होते हुये देखी जा रही है। मगर वही दूसरी ओर घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग प्रतिबंधित हैं। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि नगर में जहां खुलेआम घरेलू गैस को नियम विरूद्ध तरीके से दुकानों पर व्यवसायिक रूप से उपयोग हो रहा है। इस बात की सच्चाई नगर में चल रही अनेक होटलों से लेकर अंडा दुकानों से लेकर जहां तहां आयोजित होने वाले समारोहों में धडल्ले से घरेलू गैस का उपयोग होते हुये देखा जा रहा है। मगर हैरत की बात है कि जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा जिस प्रकार से सच्चाई का नजर अंदाज किया जा रहा है वह निश्चित ही चर्चा का विषय बनने के साथ साथ अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े करने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि नियम के अनुसार घरेलू गैस का उपयोग सिर्फ घर के रसोई घरों में ही किया जा सकता है। मगर प्रशासन की अनेदेखी का परिणाम है कि रसोई गैस सिलेण्डरों का उपयोग धडल्ले से जहां समारोहो से लेकर अन्य कार्यक्रमों में होने के अलावा सड़क किनारे चलने

वाले चाय नास्ता सहित अंडा दुकानों पर तक धडल्ले किया करते हुये देखा जा रहा है। इतना ही नही यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो गैस चलने वाले वाहनों में तक इस प्रकार से गैस किटों में घरेलू गैस सिल्डरों के माध्यम से गैर पलटी करते हुये वाहनों को दौड़ाया जा रहा है...? मगर पता नही प्रशासन के अधिकारियों द्वारा इन रसूखदार मालिको के बड़े प्रतिष्ठानो पर कार्यवाही करने की हिम्मत क्यो नही जुटा पा रहे है यह सच्चाई चर्चा का विषय बनने से नही चूक पा रही है? जबकि घरेलू गैस के दुरूपयोग को रोकना खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी है मगर विभाग द्वारा दिखाई जाने वाली सुस्ती से घरेलू उपभोक्ताओं के हक पर डाका डाल रहे होटल संचालको व अन्य व्यवसायियो के हौसले बुलंद नजर आने से नही चूक पा रहे है। रसोई गैस में दौड़ रहे वाहन- इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र मे सैकड़ो की तादाद में सीएनजी ईंधन से चलने वाले वाहन दौड़ रहे है वही दूसरी ओर जिले में कही भी सीएमजी रिफलिंग सेन्टर नही है, जो वाहन चालक अपने वाहन में वास्तव में सीएनजी भराना चाहता है उसे किसी दूसरे बड़े महानगरों के रिफलिंग सेन्टर जाना पड़ेगा, ऐसे में अब प्रश्न यह उठता है कि इन्हे सीएनजी गैस टेंक में डालने कहां से मिलती है जाहिर सी बात है उपभोक्ताओं के हिस्से की टंकी इन्ही वाहनो में रिफिल किये जाने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? जबकि देखा जावे तो इस प्रकार से रसोई गैस से वाहनो को दौड़ाने के चक्कर में आये दिन किसी ने किसी शहर में हादसे होने की खबर आती रहती है मगर इसके बाद भी प्रशासन का रवैया गैर जिम्मेदाराना होना अनेक प्रकार की चर्चाओं को जन्म देते हुये जान पड़ रहा है?

खुलरी में हुसैन या हुसैन की आवाज हुई बुलंद-अकीदतमंदों ने ताजिए निकाले अखाड़ा खेलकर किया मोहर्रम को याद.

हरिभूमि न्यूज/खुलरी/इमझिरी/बिलोनी। मुस्लिम भाईयों का मातमी पर्व मोहर्रम शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में मनाया गया। ग्राम खुलरी, इमझिरी व बिलोंनी में मुहर्रम की 10,तारीख को यौमे आशुरा को हज़रत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम व करबला के शहीदो की याद मे मजलिस/जूलूस का आयोजन किया गया। बताया जाता है कि इसमे या हुसैन या हुसैन या अब्बास या अब्बास की सदाएं बुलन्द की इस अकीदतमंदों ने - कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए धर्म प्रेमी बिलोनी ग्राम के बाबा साहब (बड़े भाई) एवं हाफिज इरफान साहब और पीराली साहब ने बताया कि कर्बला के मैदान में हजरत इमाम हुसैन ने शहादत दे कर आने वाली पीढियों को जुल्म और नाइंसाफी के खिलाफ आवाज बुलन्द करने तथा सच्चाई की राह पर चलने का संदेश दिया है। वही पीर अली ने कहा आशूरा यानि 10 मुहर्रम का दिन हमें त्याग और बलिदान की भावना के साथ समाज को मजबूती देने तथा देश और प्रदेश के लिए किसी भी तरह की कुर्बानी देने के लिए प्रेरित करता है। इस तरह कार्यक्रम की शुरुआत खुलरी ग्राम में बनाएं गए ताज़िए,और पंजे की ज्यारत करते हुये आपसी भाईचारे की मिसाल कायम की गई।

विभागों की बेशकीमती जमीन पर खड़े बिना हेमर लगे पुराने पेड़

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शासन प्रशासन हर वर्ष वृक्षारोपण अभियान के नाम पर लाखों रूपए पानी की तरह बहाया जाता है। वही कुछ संस्थाएँ ऐसी भी है जो शहर मे विशिष्ट राजनीतिक हस्तियों की आगमन की खबर से हरकत मे आकर प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर वृक्षारोपण प्रयास करती है। लेकिन हकीकत है कि पूर्व मे शहर मे लगाये गए वृक्षों की हिफाजत करने मे कोताही बरती गयी है। जिसका परिणाम है कि हाल के वर्षो मे लगायें गए बहुत सें वृक्ष सूख गए है तथा हरियाली को लेकर शासन की मंशा पूरी होते हुए कही दिखाई नही दे रही है? विडम्बना की बात है कि यहॉ का लोक निर्माण विभाग तथा वन विभाग अपनी जमीन पर वर्षो से सीना तानकर खड़े पुराने वृक्षों की सुरक्षा कों कोई पहल नही कर रहा है। सूत्रों की माने तो पहले शासन की जमीन के दोनों किनारें लगे जो वृक्ष आधी, बारिश मे धराशायी हो गए थें उनकी कई माहों तक कोई सुध नही ली गयी और उनकी लकड़ी तक गायब हो गयी। कुद इसी प्रकार का हाल लोक निर्माण की भूमि पर लगे हुए बृक्षों को जान पड़ रहा है जानकारी के अनुसार अनेक जगहों पर लोक निर्माण की उसकी जमीनों पर लगे पुरानें पेड़ों को चिन्हित करनें मे बरती गयी लापरवाही के कारण हुई है। गौरतलब है वर्तमान मे भी पी.डब्लू.डी. की जमीन पर बड़ी संख्या मे आम, इमली, सागौन के पुराने वृक्षों का आस्तित्व है। जाहिर है इनमे से कुछ ऐसे वृक्ष भी है जो उम्र दराज होने के साथ साथ हर बरसात मे उनके अचानक गिरने की आशंका बनी रहती है इसलिए सम्बंधित विभाग की जवावदारी है कि ऐसे पुराने वृक्षों के कटवाने की व्यवस्था करें ताकि ये किसी दुर्घटना का सबब नही बने, वृक्षों को चिन्हित न करने के बारे मे यह सच्चाई भी सामने आयी है कि उक्त पुराने दरखतों के तनों पर नियमानुसार हेमर लगानें की व्यवस्था नही की गयी है, जिसका नतीजा है कि लोगों द्वारा इन पर कुल्हाड़ियॉ चलाने मे कोई संकोच नही किया जाता, ऐसा भी मिसालें पहले मिल चुकी है कि शासन की जमीन पर लगें अनेक पुरानें वृक्ष बेरहमी से काट डाले गए। आमजन अकारण उनकी सुख देने वाली छाया से वंचित रह गए। लेकिन आश्चर्यजनक बात है कि इसके बाद भी प्रशासन का अमला सचेत नही हुआ और पुराने वृक्ष असुरक्षित होते चले जा रहे है, इस तारतम्य मे जरूरी कहा जा रहा है कि नपा.की भूमि पर मुख्यमार्गो के किनारे जो सर्वाधिक पुराने पेड़ अविविकसित स्थिति मे हैं उनके कटवाने की व्यवस्था कर उनके स्थान पर नए वृक्ष लगवाना चाहिए। लोक निर्माण विभाग से अपेक्षित है कि फिलहाल उसकी जमीन पर जों पुरानें पेड़ खड़े है उनमें हेमर लगवाकर उनकी सुरक्षा का प्रबंध करना चाहिए।

क्षेत्र की पंचायतों में हुये निर्माण कार्यों की जांच से उजागर हो सकती है गुणवत्ता की सच्चाई?

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। जिस प्रकार से लोग अपनी ग्राम पंचातयों में किसी जनप्रतिनिधि का चुनाव करती है तो उसे उससे काफी उम्मीदे रहते हुए ग्राम के विकास की बाट जोही जाती है। मगर अक्सर देखा जाता है कि कुर्सी मिलने के बाद वह ग्राम विकास को भूलकर सिर्फ अपनी विकास की ओर ध्यान देने से नही चूकता है? इस बात की सच्चाई ग्राम पंचायतों के पूर्व सरपंचों के कार्यकाल खत्म होने के बाद जब नई पंचातयों का गठन हुआ तो ऐसा जान पड़ा की शायद अब ग्रामों की तस्वीर बदल जावेगी..? मगर ऐसा कुछ हुआ जान नही पड़ रहा है और लगभत तीन वर्ष बीत चुके है। यदि पूर्व के समय के सरपंचो के कार्यकाल पर गौर किया जावे तो उनके द्वारा किये गये भ्रष्टाचार को लेकर अनेक ग्राम पंचायतों की कार्य प्रणाली के खिलाफ आज भी अंगुली उठ रही रही हैं..? सरपंचों के खिलाफ शिकायतों का आनवरत सिलसिला जारी है, जिम्मेदार अधिकारियों के पास ऐसी अनेक शिकायतें निराकरण की बाट जोह रही है जिनकी यानि निष्ठा के साथ जांच हो जावे तो पंचायतों में हुए घोटालों की सच्चाई सामने आ

सकती है..? वैसे सच यह भी है कि यदि प्रशासन इन शिकायतों के प्रति गंभीर रूप अख्तियार करता तो अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंचो द्वारा पूर्व में डकारी गई शासकीय राशि अपने घर से चुकानी पड सकती है? दरअसल ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य सबसे अधिक शिकायतों के केन्द्र बिन्दु बने हुए हैं..? निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने की शिकायत आम तौर पर है क्योंकि सरपंचों के पास पांच लाख रूपये तक के निर्माण कार्य किये जाने का अधिकार था और बाद में सरकार द्वारा उसमें बढ़ोत्तरी करते हुये डबल करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी, जिसका उन्होंने खुलेआम दुरूपयोग करते हुए अनेक पंचायतो में गुणवत्ताहीन किये गये निर्माण कार्य आज खुली गवाही दे रहे है। भले ही इन निर्माण कार्यों का मूल्यांकन तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा अपनी जुगाडू व्यवस्था के साथ करा दिया गया हो,परंतु कतिपय यंत्री और उपयंत्रियों की मिली भगत भी इनमें रही है यही कारण है कि मूल्यांकन के निकार्ड से तो बेहतर निर्माण कार्य का हुआ है परंतु निर्मित कार्य घटिया ही साबित हो रहे है..? जिनकी सच्चाई वह निर्माण कार्य स्वयं ही बता रहे है? इतनी ही नहीं कुछेक ग्राम पंचायतों में तो यह आरोप भी लगाया जाता है कि निर्माण हुआ ही नहीं और पैसा खर्च हो गया, वैसे ऐसे आरोपों की तत्काल और गंभीरता से जांच होनी चाहिये, जिससे पूर्व के सरपंचों की खाई हुई मलाई ऊपर आ जावे तथा वर्तमान जनप्रतिनिधि उनके नक्शे कदम पर न चले, अपेक्षा है कि क्षेत्र के जनपद पंचायत चीचली क्षेत्र में पूर्व सरपंचों के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यो की जांच की जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाली सच्चाई आने से नही रूक सकती है?

न्यायालय श्रीमान प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड गाडरवारा
(श्रीमान विनय कुमार सोनी)
सुवेता बोहरे................वादी
बनाम
आम जनता............प्रतिवादी
प्रे.स.न. 196/2026
RCSA-72/2026
पेशी दिनांक - 13/08/2026
आदेश दिनांक- 07/05/2026

इश्तहार आम जनता को सूचना बावत्

इस न्यायालय में वादी सुवेता बोहरे पुत्री श्री रामानुज तिवारी, पत्नी श्री मुकेश कुमार बोहरे निवासी ग्राम पिठवानी, तहसील गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर (म. प्र.) द्वारा RCSA-72/2026 न्यायालय श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड गाडरवारा श्री विनय कुमार सोनी के न्यायालय में दावा प्रस्तुत किया है। उक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक 13/08/2026 को रखी गई है यदि आम जनता (सर्वसाधारण) को उक्त प्रकरण में अपना पक्ष रखना चाहता है तो उक्त सुनवाई तिथि के पूर्वान्ह 11:00 बजे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते है। यदि पेशी दिनांक 13/08/2026 को पीठासीन अधिकारी अवकाश पर रहते है या शासकीय अवकाश घोषित होता है तो उक्त प्रकरण की सुनवाई आगामी कार्यदिवस पर होगी।

आज दिनांक 17/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी।
गाडरवारा
दिनांक- 17/06/2026
(विनय कुमार सोनी)
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश
कनिष्ठ खंड गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर (म. प्र.)

एक शिक्षक के भरोसे 156 विद्यार्थियों की पढ़ाई धिरवन कला विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

शहपुरा।

विकासखंड शहपुरा के एकीकृत माध्यमिक विद्यालय धिरवन कला में शिक्षकों की भारी कमी के चलते शिक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में है। विद्यालय में 156 छात्र.छात्राएं अध्ययनरत हैंए जबकि उनकी पढ़ाई की जिम्मेदारी केवल एक शिक्षक के भरोसे संचालित हो रही है। ऐसे में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती बन गया है।जानकारी के अनुसारए एकमात्र शिक्षक को अध्यापन कार्य के साथ.साथ शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयनए विभागीय बैठकों में सहभागिताए ऑनलाइन पोर्टल का संचालनए अभिलेख संधारणए परीक्षा संबंधी दायित्वों सहित अन्य प्रशासनिक कार्य भी निभाने पड़ते हैं। ऐसे में कई बार नियमित कक्षाएं प्रभावित होती हैं और विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित होती है।

विद्यालय के विद्यार्थियों का कहना है कि कई अवसरों पर उन्हें बिना पढ़ाई के ही घर लौटना पड़ता हैए जबकि कई कक्षाओं को एक साथ बैठाकर पढ़ाया जाता है। इससे पाठ्यक्रम समय पर पूरा नहीं हो पाता और उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ परीक्षा परिणाम भी प्रभावित हो रहे हैं।अभिभावकों का कहना है कि सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और बेहतर भविष्य देने की बात करती हैए लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति इसके विपरीत दिखाई दे रही है। उनका कहना है कि 156 विद्यार्थियों के लिए केवल एक शिक्षक पर्याप्त नहीं है। यदि शीघ्र अतिरिक्त शिक्षकों की नियुक्ति नहीं की गई तो बच्चों की शिक्षा और भविष्य दोनों प्रभावित होंगे।ग्रामीणों एवं पालकों ने शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन से विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप तत्काल अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना करने की मांग की है। उनका कहना है कि शिक्षा जैसी बुनियादी व्यवस्था में शिक्षकों की कमी बच्चों के भविष्य के साथ समझौता है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि यह समस्या केवल धिरवन कला विद्यालय तक सीमित नहीं हैए बल्कि ग्रामीण अंचलों के कई सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की कमी एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। उन्होंने प्रशासन से जनहित में त्वरित कार्रवाई कर विद्यालय में पर्याप्त शिक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

खबर संक्षेप

प्रशासन की तत्परता से रुका नाबालिग बालिका का विवाह, परिजनों को दी कानूनी समझाइश

डिंडोरी। जिले में बाल विवाह रोकथाम अभियान के तहत प्रशासन ने एक बार फिर समय रहते कार्रवाई करते हुए 16 वर्षीय बालिका का प्रस्तावित बाल विवाह रुकवा दिया। यह कार्रवाई कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री माधुरी रजक के मार्गदर्शन में शनिवार को ग्राम घुसिया ;दौरी टोलाद्धए थाना शाहपुर क्षेत्र में की गई।जानकारी के अनुसारए जिला प्रशासन को दूरभाष के माध्यम से बाल विवाह की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही महिला एवं बाल विकास विभागए वन स्टॉप सेंटर तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। टीम में सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती संगीता चौधरीए वन स्टॉप सेंटर की एडमिनिस्ट्रेटर श्रीमती रितु खांडे एवं परामर्शदाता श्रीमती निकिता मरकाम शामिल थीं।मौके पर दस्तावेजों की जांच में बालिका की आयु 16 वर्ष 5 माह पाई गई। इसके बाद अधिकारियों ने तत्काल हस्तक्षेप कर बाल विवाह रुकवाया तथा परिजनों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियमए 2006 के प्रावधानों की जानकारी देते हुए बालिका का विवाह 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद ही करने की समझाइश दी।अधिकारियों ने परिजनों को बताया कि बाल विवाह कराना कानूनन अपराध है। इसमें शामिल बालिग व्यक्तियों के विरुद्ध कारावास एवं आर्थिक दंड सहित नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। साथ ही बालिका की शिक्षाएए स्वास्थ्य एवं सुरक्षित भविष्य को ध्यान में रखते हुए बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति से दूर रहने की अपील की गई।जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिलने पर तत्काल संबंधित विभाग अथवा पुलिस को अवगत कराएंए ताकि समय रहते कार्रवाई कर बच्चों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से बालक एवं युवती की फांसी लगाने से हुई मौत

अनूपपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में 24 घंटे के मध्य दो अलग-अलग घटनाओं में बालक एवं युवती की मौत की सूचना पर पुलिस के द्वारा कार्यवाही की गई है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना अनूपपुर से 15 किलोमीटर दूर स्थित बिजौड़ी गांव के यादव मोहल्ला निवासी राम नरेश यादव के 14 वर्षीय पुत्र रिसफ कुमार यादव जो शुक्रवार की शाम घर से कुछ दूर पर आम के पेड़ के नीचे आम का फल बीन रहा था इसी दौरान तेज आंधी पानी तूफान के साथ आकाशीय बिजली के आम के पेड़ में गिरने से चपेट में आने पर बालक की स्थल पर ही मृत्यु हो गई। वहीं अनूपपुर नगर के वार्ड क्रमांक 9 बिहारी कॉलोनी निवासी भारत राठौर के घर में किराए के कमरा लेकर कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत ग्राम केकरपानी निवासी पवन सिंह की 20 वर्षीय पुत्री गायत्री सिंह मार्को जो विगत दो वर्षों से अनूपपुर नगर में किराए का मकान ले कर अन्य चार सहेलियों के साथ रहकर अध्ययन कार्य कर रही है ने शुक्रवार एवं शनिवार की मध्य रात्रि किराए के मकान के कमरे में अज्ञात कारणों से अपने ही दुपट्टा से फांसी लगा ली दोनों घटना की सूचनाओं पर कोतवाली पुलिस द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर दोनों मृतको के शव का परिजनों की उपस्थिति में पंचनामा कर जिला चिकित्सालय अनूपपुर में ड्यूटी डॉक्टर से शव का पीएम कराने बाद शव के कफन दफन हेतु परिजनों को सौंप कर घटना की जांच में ड्यूटी हुई है।

हितग्राहियों को 30 जून तक ई-केवाईसी कराना अनिवार्य

कटनी। पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्राप्त करने वाले किसानो को 30 जून तक अपनीई-केवाईसी करवाना अनिवार्य है। भारत सरकार के द्वारा जारी नवीन निर्देश द्वारा पीएम किसान योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु प्रति वर्ष बायोमेट्रिक के माध्यम से ई-केवाईसी की कार्यवाही सभी हितग्राहियों द्वारा कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

घरेलू गैस सिलेंडर के दुरुपयोग पर प्रशासन ने की कार्रवाई

शहपुरा।

घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग के खिलाफ प्रशासन ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। एसडीएम ऐश्वर्य वर्मा के निर्देश पर सहायक आपूर्ति अधिकारी जयंत असराटी के नेतृत्व में हुई कार्रवाई के दौरान पोल कटिंग स्थल सहित तीन होटल एवं नाश्ता केंद्रों से कुल पांच घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। संबंधित ठेकेदार और होटल संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार प्रकरण दर्ज किए गए हैं।निरीक्षण के दौरान मानस भवन चौपाटी परिसर में विद्युत पोल कटिंग का कार्य घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर से किया जाता पाया गया। जांच में घरेलू

उपयोग के लिए जारी सिलेंडर का व्यावसायिक कार्य में इस्तेमाल होने की पुष्टि होने पर सिलेंडर जब्त कर संबंधित ठेकेदार के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की गई।

इसी अभियान के तहत नगर स्थित आकाश समोसा सेंटर से एकए अन्नू चाइनीज सेंटर से एक तथा लक्ष्य नाश्ता सेंटर से दो घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर व्यावसायिक उपयोग में पाए गए। सभी चार सिलेंडरों को जब्त कर संबंधित संचालकों के विरुद्ध एलपीजी नियंत्रण आदेश के तहत नियमानुसार कार्रवाई की गई।सहायक आपूर्ति अधिकारी जयंत असराटी ने बताया कि घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर केवल घरेलू उपयोग के लिए निर्धारित हैं। इनका होटलए निर्माण कार्यए वेल्डिंग अथवा अन्य व्यावसायिक गतिविधियों में उपयोग नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा ऐसे मामलों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बरसात से पहले पशुओं का टीकाकरण अभियान तेज 143 पशुओं को लगाया गया गला घोटू रोग का टीका

डिंडोरी।

जिले में बरसात के मौसम के दौरान पशुओं को संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से पशुपालन विभाग द्वारा विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पशुओं का टीकाकरण करने के साथ पशुपालकों को रोगों की रोकथाम के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।इसी क्रम में विकासखंड समनापुर की ग्राम पंचायत भाजीटोला माल में पशु स्वास्थ्य केंद्र चंदरानी द्वारा विशेष टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पशु चिकित्सक डॉण् डीण्एसण् चंदेल ने किसान गुलाब सिंहए केशवए कीरत सिंह मरावीए धरण सिंह मरावी सहित अन्य पशुपालकों के कुल 143 गायए भैंसए बकरी एवं अन्य पालतू पशुओं का गला घोटू ;एचएसद्ध रोग से बचाव के लिए टीकाकरण किया।डॉण् चंदेल ने पशुपालकों को बताया कि वर्षा ऋतु में संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में समय पर टीकाकरण कराने से पशुओं को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है और पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।पशुपालन विभाग ने जिले के सभी पशुपालकों से अपने पशुओं का नियमित टीकाकरण कराने तथा किसी भी प्रकार के रोग के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल निकटतम पशु चिकित्सालय से संपर्क करने की अपील की है।

माय भारत केंद्र ने दो स्थानों पर चलाया नशा मुक्ति जनजागरूकता अभियान

डिंडोरी।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के मार्गदर्शन में संचालित ष्नशा मुक्त भारत अभियानष् के तहत माय भारत केंद्रए डिंडोरी द्वारा शनिवार को जिले में दो स्थानों पर नशा मुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान का संचालन दिव्य ज्योति सोशल डेवलपमेंट सेंटर द्वारा संचालित शिवनिल नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र के तत्वावधान में ष्विकसित भारत की पहचानदृनशामुक्त भारतष् थीम पर किया गया।अभियान के प्रथम चरण में महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से ग्राम धौरई रैयत में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को शराबए तंबाकूए गुटखा और अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के साथ मोबाइल एवं सोशल मीडिया की बढ़ती लत से होने वाले नुकसान की जानकारी दी गई। साथ ही सभी को नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक कमला मरावीए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। दूसरा कार्यक्रम चंद्र विजय महाविद्यालयए डिंडोरी में आयोजित किया गया। इसमें आजाक थाना के एएसआई प्रवीण सिंह ने विद्यार्थियों को नशे के सामाजिकए स्वास्थ्य एवं कानूनी दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने और समाज में जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉण् एण्एसण् उइके तथा जिला संगठन राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉण् पीण्सीण् उइके तथा एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉण् ईश्वर चंद्र प्रजापति उपस्थित रहे।अभियान के तहत बस स्टैंड से महाविद्यालय परिसर तक जनजागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान लोगों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। प्रोको.टोको अभियानष् के अंतर्गत दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों को रोककर नशा मुक्ति संबंधी पंपलेट वितरित किए गए तथा वाहनों पर जागरूकता स्टीकर लगाए गए।कार्यक्रम में शिवनिल नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रए माय भारत केंद्रए यातायात थानाए महिला एवं बाल विकास विभाग तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठकए लंबित कार्यों को लेकर दिए निर्देश

डिंडोरी।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री माधुरी रजक एवं सहायक संचालक श्रीमती वंदना धुमकेती ने शनिवार को मेंहदवानी परियोजना की समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को लंबित कार्य समय.सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।समीक्षा के दौरान पोषण ट्रैकरए सम्पर्क एपए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ;पीएमएमवीवाईद्धए सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रए कुपोषित एवं अतिकुपोषित बच्चों की स्थितिए पंखुड़ी पोर्टलए आधारए एपीएआरए आभा आईडीए एफआरएस तथा ई.केवाईसी सहित विभिन्न योजनाओं एवं पोर्टलों की बिंदुवार समीक्षा की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने कम प्रगति वाले केंद्रों और संबंधित आंगनवाड़ी

कार्यकर्ताओं को तीन दिवस के भीतर लंबित कार्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि लापरवाही या निर्धारित समय में कार्य पूरा नहीं होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में प्रभारी परियोजना अधिकारी श्रीमती यशोदा भलावीए परियोजना के सभी पर्यवेक्षक तथा बीसी उपस्थित रहे।समीक्षा बैठक के बाद जिला कार्यक्रम अधिकारी ने सक्षम आंगनवाड़ी केंद्र इमलई माल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में रेन वाटर हार्वेस्टिंगए पोषण वाटिकाए टीवी एवं वाटर प्यूरीफायर सहित उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन कर उनके संचालन की जानकारी ली। निरीक्षण के समय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पावित्री पट्टा एवं सहायिका उपस्थित थीं।अधिकारियों ने सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करनेए सभी पोर्टलों पर शत.प्रतिशत अद्यतन जानकारी दर्ज करने तथा हितग्राहियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक में एसडीएम ने पटवारियों को दिए समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

डिंडौरी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा राजस्व निरीक्षकों एवं पटवारियों की समीक्षा बैठक आयोजित कर विभागीय कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई। बैठक में फॉर्मर रजिस्ट्रीए ई.केवाईसीए राजस्व वसूलीए नामांतरणए बंटवारा एवं सीमांकन सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की बिंदुवार समीक्षा की गई।बैठक के दौरान अनुविभागीय अधिकारी ने सभी राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आमजन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ समय.सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व वसूली की प्रगति बढ़ाने के लिए भी आवश्यक दिशा.निर्देश जारी किए। इस दौरान आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए अधिक वर्षाए सर्पदंशए आकाशीय बिजली गिरने से होने वाली घटनाओंए मकान क्षति एवं अन्य आपदा संबंधी मामलों में सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। साथ ही फसलों की गिरदावरीए समय पर बोनी कार्य सुनिश्चित कराने एवं किसानों से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता से निपटाने के संबंध में भी जानकारी दी गई।एसडीएम ने पटवारियों को निर्देशित किया कि वे क्षेत्र में सक्रिय रहकर आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करें और शासन की योजनाओं एवं राजस्व सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करें।

शहपुरा में 1.2 रुपये के सिक्के लेने से कतरा रहे दुकानदारए उपभोक्ता परेशान

शहपुरा। डिंडोरी जिले के शहपुरा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में 1 और 2 रुपये के सिक्कों का चलन प्रभावित होने से आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई दुकानदार भारतीय रिजर्व बैंक ;आरबीआईद्ध द्वारा जारी वैध 1 और 2 रुपये के सिक्के लेने से इनकार कर रहे हैंए जिससे छोटे लेनदेन में उपभोक्ताओं को अतिरिक्त राशि खर्च करने की मजबूरी बन रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार में कई दुकानदार इन सिक्कों को स्वीकार नहीं करते। ऐसे में यदि किसी ग्राहक को 2 या 3 रुपये की वस्तु खरीदनी होए तो उसे मजबूरन 5 या 10 रुपये की वस्तु खरीदनी पड़ती है अथवा अतिरिक्त पैसे खर्च करने पड़ते हैं। इसका सबसे अधिक असर गरीबए मजदूर और ग्रामीण वर्ग पर पड़ रहा हैए जिनके लिए छोटे मूल्य के लेनदेन का विशेष महत्व है।नागरिकों का आरोप है कि यह समस्या लंबे समय से बनी हुई हैए लेकिन संबंधित विभागों और प्रशासन द्वारा अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का कहना है कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी 1 और 2 रुपये के सिक्के पूरी तरह वैध हैंए इसलिए इन्हें लेने से इनकार करना उचित नहीं है।ग्रामीणों और नगरवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर दुकानों की जांच कराई जाए तथा वैध भारतीय मुद्रा स्वीकार करने से इनकार करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

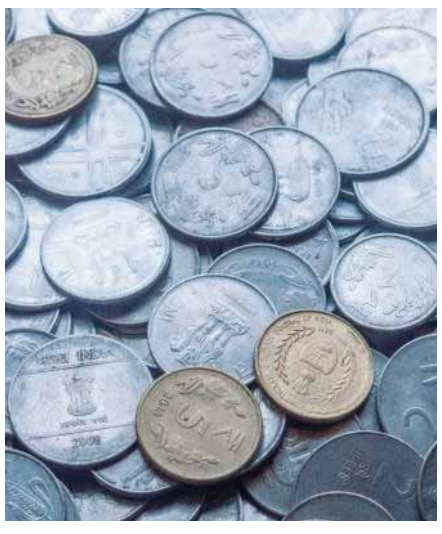

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, रविवार 28 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

तपती धूप और बारिश के बीच खुले में बैठने को मजबूर मुंशी-लेखक

गोटेगांव। नगर में नए तहसील भवन के निर्माण के चलते पुराने भवन को तोड़ा जा रहा है। इस दौरान तहसील कार्यालय को अस्थायी रूप से पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह परिसर में स्थानांतरित किया गया है, लेकिन दस्तावेज लेखक एवं मुंशियों के बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। वर्तमान में मुंशी और दस्तावेज लेखक टीन और तिरपाल के नीचे खुले में बैठकर काम करने को मजबूर हैं। मानसून शुरू होने के साथ ही दस्तावेजों के भीगने और कार्य प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। वहीं नामांतरण, बंटवारा सहित अन्य राजस्व कार्यों के लिए आने वाले नागरिकों को भी धूप और बारिश में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि नए भवन का निर्माण पूरा होने तक प्रशासन अस्थायी शेड या कक्ष की व्यवस्था करे, ताकि मुंशियों और आम नागरिकों को राहत मिल सके।

समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक 3 को

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आगामी 3 जुलाई को प्रातः 10 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बताया कि उक्त बैठक में विगत बैठक की कार्यवाही एवं अनुपालन प्रतिवेदन, जिले में संचालित केन्द्र प्रायोजित योजनाओं की प्रगति, शिक्षा एवं मानव विकास, कृषि, ग्रामीण एवं सहकारिता विकास, जल, सिंचाई एवं संसाधन प्रबंधन, ऊर्जा एवं अधोसंरचना, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा, उद्योग, कौशल एवं रोजगार, खनिज, पर्यावरण एवं भूमि प्रबंधन और डिजिटल, प्रशासनिक एवं आपूर्ति तंत्र से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा एवं समीक्षा की जाएगी।

विद्यालयों ने रचा सफलता का नया अध्याय

शिक्षकों के समर्पित प्रयासों से सकारात्मक परिणाम: डीईओ

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सरकार द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे है। सरकार की मंशा अनुरूप सीमित संसाधनों एवं ग्रामीण परिवेश के बावजूद शासकीय हाई स्कूल पचामा एवं शासकीय नवीन माध्यमिक शाला पचामा शिक्षा के क्षेत्र में सतत नवाचार करते हुए सफलता के नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए शिक्षकों द्वारा किए जा रहे समर्पित प्रयासों के सकारात्मक परिणाम लगातार सामने आ रहे हैं। शासकीय हाई स्कूल पचामा के गणित शिक्षक वीरेंद्र वर्मा ने सत्र प्रारंभ होते ही कक्षा 10वीं के 15 इच्छुक विद्यार्थियों के लिए विशेष अध्ययन सत्र संचालित किए। मई माह में प्रतिदिन प्रातः 6 बजे से डिजिटल बोर्ड के माध्यम से अतिरिक्त कक्षाएं लेकर उन्होंने गणित विषय को सरल, सहज एवं रुचिकर बनाया तथा प्रारंभिक चरण में ही लगभग पूरा पाठ्यक्रम पूर्ण करा दिया। उनके इस अनुकरणीय नवाचार एवं समर्पण की सराहना करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने उनका सम्मान करते हुए उत्साहवर्धन किया।

तकनीक व गुणवत्तापूर्ण मिल रही शिक्षा

इसी क्रम में शासकीय नवीन माध्यमिक शाला पचामा के शिक्षक बुलंद सिंह कुशवाहा ने मई माह में प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से डिजिटल पैनल के माध्यम से कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं एवं एनएमएमएस परीक्षा की विशेष तैयारी कराई। उनके मार्गदर्शन में विद्यालय से

प्रतिवर्ष विद्यार्थी एनएमएमएस परीक्षा में चयनित हो रहे हैं। साथ ही मोगली महोत्सव, मॉडल प्रतियोगिता एवं अन्य गतिविधियों में भी विद्यालय के विद्यार्थियों ने संभाग स्तर तक उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

विद्यालय की प्रधान पाठक उमा वर्मा ने शिक्षक बुलंद सिंह कुशवाहा एवं अन्य शिक्षकों के सहयोग से 85 इंच का आधुनिक डिजिटल पैनल विद्यालय को समर्पित किया है, जिससे विद्यार्थियों को तकनीक आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल रहा है।

शिक्षा के प्रति विद्यालय परिवार की प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि अब निजी विद्यालयों के विद्यार्थी भी यहां प्रवेश लेने के लिए आकर्षित हो रहे हैं।

विद्यालय परिवार द्वारा विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए घर-घर जाकर संपर्क किया जाता है तथा शिक्षा के साथ-साथ खेल गतिविधियों को भी समान महत्व दिया जाता है। इन प्रयासों की जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा विशेष सराहना की गई।

मेहनत के समन्वित प्रयासों से मिल रही सफलता

विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियां भी अत्यंत प्रेरणादायक रही हैं। कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। वर्ष 2025 में छात्रा माधवी लोधी ने 97.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय एवं जिले का गौरव बढ़ाया, जबकि वर्ष 2024 में छात्र निर्भय सिंह ने गणित विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की। विद्यालय के प्राचार्य राजेश गुप्ता के नेतृत्व में समस्त शिक्षक आगामी वर्ष में बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश की मेरिट सूची में स्थान दिलाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे हैं। निर्धन एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराना विद्यालय परिवार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने हेतु प्राचार्य श्री गुप्ता ने घोषणा की है कि विद्यालय का कोई भी विद्यार्थी यदि प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करता है, तो उसे नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। समर्पित शिक्षकों, आधुनिक तकनीक, नवाचार आधारित शिक्षण पद्धतियों एवं विद्यार्थियों की मेहनत के समन्वित प्रयासों से पचामा के विद्यालय ग्रामीण अंचल में शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणा के केंद्र के रूप में उभर रहे हैं। इस अवसर पर जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार तिवारी, एडीपीसी विपनेश जैन सहित शिक्षा विभाग का स्टाफ उपस्थित रहा।

कायस्थ समाज द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं व वरिष्ठजनों का सम्मान

जिला कायस्थ सभा द्वारा कायस्थ समाज के मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान विगत दिवस श्रीदेव चित्रगुप्त मंदिर में आयोजित हुआ। जिसमें कक्षा दसवीं एवं बारहवी में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवि गुरु सक्सेना ने सम्मानित विद्यार्थियों को शुभकामनाओं देते हुए सभा के द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। आपने आगे कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, पत्रकारिता, न्याय, बैंकिंग, राजस्व आदि में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों का सम्मान भी सभा द्वारा किया जाना चाहिए। जिसे उपस्थित सजातीय बंधुओं ने करतल ध्वनि से स्वागत योग्य बताया। अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने मेधावी बच्चों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आयोजन में अजय श्रीवास्तव, डॉ. अनुराग वर्मा, विवेक सक्सेना, आशुतोष वर्मा, मदन श्रीवास्तव आदि ने अपने अपने परिजनों की स्मृति में स्वयं उपस्थित होकर छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। वीरेन्द्र खरे द्वारा अपने परिजन की स्मृति में वरिष्ठ जनों को उनकी दीर्घकालीन सेवा पर सम्मान पत्र व छाता प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान अनुष्का श्रीवास्तव, प्रतिज्ञा श्रीवास्तव, अदिति वर्मा, दीक्षा ब्यौहार, युग श्रीवास्तव, आरुषि श्रीवास्तव, अनन्या सक्सेना, भारती श्रीवास्तव, आदि खरे, पार्थ श्रीवास्तव, सृष्टि श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया।

कार्यकर्ताओं ने संगठन को सौंपी 50.31 लाख रुपये की समर्पण निधि

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस भारतीय जनता पार्टी द्वारा आर्थिक सुचिता एवं संगठनात्मक स्वावलंबन के उद्देश्य से चलाए गए समर्पण निधि संकलन अभियान का जिले में सफल समापन हुआ। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने बताया कि नरसिंहपुर जिले के कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक अभियान में भाग लेते हुए संगठन को 50 लाख 31 हजार 311 रुपये की समर्पण निधि प्रदान की। विशेष बात यह रही कि संपूर्ण राशि कार्यकर्ताओं से चेक के माध्यम से प्राप्त की गई,जो संगठन की आर्थिक पारदर्शिता और अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है जिला अध्यक्ष श्री पाठक ने बताया कि विधानसभावार प्राप्त समर्पण निधि में नरसिंहपुर विधानसभा से 23 लाख 15 हजार 811 रुपये, गोटेगांव विधानसभा से 15 लाख 83 हजार 400 रुपये, गाडरवारा विधानसभा से 6 लाख 75 हजार रुपये तथा तेंदूखेड़ा विधानसभा से 4 लाख 57 हजार 100 रुपये की राशि एकत्रित की गई। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन को अपना परिवार मानकर समर्पण भाव से योगदान देता है। कार्यकर्ताओं की इसी निष्ठा और सहभागिता के कारण संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने समर्पण निधि अभियान को सफल बनाने वाले सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी सक्रिय भागीदारी संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। श्री पाठक ने बताया कि पिछले वर्ष जिले से 32 लाख 18 हजार रुपये की समर्पण निधि प्राप्त हुई थी, जबकि इस वर्ष कार्यकर्ताओं ने कहीं अधिक उत्साह और समर्पण का परिचय देते हुए 50 लाख 31 हजार 311 रुपये का योगदान दिया है। यह वृद्धि कार्यकर्ताओं के संगठन के प्रति विश्वास, निष्ठा और समर्पण का प्रमाण है।

शांति और भाईचारे के साथ मनाया गया मोहर्रम, शकूर बाबा दरबार में उमड़े जायरीन

गोटेगांव। मोहर्रम का पर्व गोटेगांव नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में शांति, सौहार्द और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर के प्रसिद्ध शकूर बाबा दरबार में विशेष धार्मिक आयोजन हुए, जिनमें स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ-साथ दूर-दराज से बड़ी संख्या में जायरीन पहुंचे। पूरे दिन दरबार परिसर में इबादत, जियारत और धार्मिक गतिविधियों का क्रम चलता रहा।मोहर्रम के अवसर पर दरबार में आने वाले जायरीन के लिए तबर्रुक (लंगर) की विशेष व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर तबर्रुक ग्रहण किया और आपसी भाईचारे तथा प्रेम का संदेश दिया। आयोजन समिति के सदस्यों एवं स्वयंसेवकों ने व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शाम के समय मुस्लिम समुदाय द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार ताजिया सवारी निकाली गई। ताजिया नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ शकूर बाबा दरबार पहुंचा। जुलूस के दौरान अकीदतमंदों ने मातमी रस्में अदा कीं और धार्मिक परंपराओं का पालन किया। पूरे मार्ग पर लोगों ने श्रद्धा के साथ ताजिए का स्वागत किया। दरबार पहुंचने के बाद बाहर से आए जायरीन एवं स्थानीय श्रद्धालुओं ने धार्मिक परंपरा के अनुसार दरियाह स्नान किया। इसके पश्चात सभी ने शकूर बाबा की दरगाह पर चादर और अकीदत के फूल पेश कर देश, प्रदेश एवं क्षेत्र में अमन-चैन, खुशहाली, आपसी सद्भाव और भाईचारे की दुआ मांगी।

पूरे आयोजन के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात की समुचित व्यवस्था की गई। पुलिस बल पूरे समय तैनात रहा, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। आयोजन समिति और प्रशासन के बेहतर समन्वय के चलते कहीं भी किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति सामने नहीं आई।

मोहर्रम के इस आयोजन में विभिन्न समुदायों के लोगों की सहभागिता ने गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक एकता की मिसाल पेश की। श्रद्धालुओं ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में प्रेम, सद्भाव और आपसी विश्वास को मजबूत करने का संदेश देते हैं।

पांडुलिपि का ज्ञान भारतम पोर्टल पर हुआ डिजिटलीकरण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। जिले में उपलब्ध एक प्राचीन पांडुलिपि को सफलतापूर्वक ज्ञान भारतम् पोर्टल पर अपलोड कर उसका डिजिटल दस्तावेजीकरण किया गया है। यह कार्य कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह निर्देशन में, प्राचार्य डाइट राजीव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन तथा जनपद पंचायत चीचली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक गुप्ता के समन्वित प्रयासों से संपन्न हुआ। चीचली-सालीचैका के समीप स्थित ग्राम मेरागांव में संत श्री देवादासजी महाराज द्वारा सधुकड़ी बोली में रचित इस दुर्लभ पांडुलिपि को ज्ञान भारतम्-पोर्टल पर अपलोड कर डिजिटल रूप से संरक्षित किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा देशभर में उपलब्ध ज्ञात एवं अज्ञात स्थानों पर संरक्षित प्राचीन पांडुलिपियों एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा उनके डिजिटल दस्तावेजीकरण के उद्देश्य से ज्ञान भारतम्-पोर्टल के माध्यम से विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत दुर्लभ एवं ऐतिहासिक महत्व की पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण कर उन्हें भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित किया जा रहा है। जिले की इस उपलब्धि को स्थानीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अधिवक्ता संघ चुनाव का हुआ शंखनाद

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला अधिवक्ता संघ ने नवीन चुनाव सत्र 2026-27, 2027-28 के निर्वाचन के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी एड. चै. ओ.पी.गोयल एवं सहयोग हेतु एड.नरेन्द्र सिंह रघुवंशी एवं एड. विपिन कुमार शर्मा, दो सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किये हैं जिला अधिवक्ता संघ नरसिंहपुर का चुनाव कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी चै.ओ.पी.गोयल ने बताया कि निर्वाचन हेतु नामांकन पत्र 6 जुलाई 2026 से 7 जुलाई 2026 तक नामांकन पत्र भरे होकर जमा किये जायेंगे। अधिवक्ता कक्ष क्रमांक 1 में दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे तक नामांकन पत्रों की जॉच 8 जुलाई एवं 9 जुलाई 2026 तक होगी। तत्पश्चात प्रत्याशियों की जानकारी ली जाएगी, 10 जुलाई एवं 11 जुलाई तक नामांकन पत्रों की वापिसी होगी। दिनांक 20 जुलाई को मतदान दोपहर 11 बजे से सायं 5 बजे तक होगा। तत्पश्चात मतदान के तुरंत बाद मतों की गिनती कर परिणाम घोषित किया जाएगा। उक्त निर्वाचन संबंधी आवश्यक जानकारी अधिवक्ता कक्ष क्र. 1 एवं 2 के सूचना पटल पर चस्पा की गयी है ।

अमृत भारत योजना को लगा पलीता, एक साल में ही उड़ गया श्रीधाम स्टेशन का रूफ शेड

गोटेगांव। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत करोड़ों रुपये की लागत से विकसित किए गए श्रीधाम रेलवे स्टेशन में निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्टेशन परिसर में लगाया गया नवनिर्मित रूफ प्लाजा वाटरशेड हल्की हवा के झोंके में ही उड़ गया, जिससे निर्माण की गुणवत्ता की पोल खुल गई।

स्थानीय यात्रियों का आरोप है कि निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया। उद्घाटन के लगभग एक वर्ष के भीतर ही सज्जा क्षतिग्रस्त होने से यात्रियों की सुरक्षा पर भी खतरा मंडराने लगा है। गनीमत रही कि घटना के समय कोई यात्री इसकी चपेट में नहीं आया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। यात्रियों का कहना है कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में इस प्रकार की लापरवाही गंभीर चिंता का विषय है। यदि हल्की हवा में ही रूफ शेड उड़ सकता है तो तेज आंधी-बारिश के दौरान बड़ा हादसा हो सकता है।

इनका कहना है...

श्रीधाम स्टेशन मास्टर विनोद शर्मा ने बताया कि मामले की जांच कराई जाएगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

राज्य स्तरीय रैंकिंग टूर्नामेंट में विराट ने प्राप्त किया तीसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। इंदौर में चल रहे राज्य स्तरीय रैंकिंग टूर्नामेंट मध्य प्रदेश बैडमिंटन लीग एमपीबीए स्पर्धा में अंडर 11 आयु वर्ग में नरसिंहपुर नगर के छात्र बैडमिंटन खिलाड़ी विराट ठाकुर ने तीसरा स्थान प्राप्त कर कास्य पदक किया। विक्रम ठाकुर, वर्षा ठाकुर के सुपुत्र विराट भास्कर बाबू बैडमिंट एकेडमी हैदराबाद से हैदराबाद में प्रशिक्षित हैं। राज्य स्तरीय रैंकिंग टूर्नामेंट में नरसिंहपुर नगर का गौरव बढ़ाने पर विराट को खेल प्रेमियों खिलाड़ियों और अनेक संगठन ने बधाई दी है।

मंत्री श्री पटेल का आगमन आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल रविवार 28 जून 2026 को जिले के प्रवास पर रहेंगे और विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मंत्री श्री पटेल दोपहर 2 बजे मणिनागेंद्र सिंह सैनिक स्कूल गोटेगांव से प्रस्थान कर दोपहर 2:40 बजे बाहरी रोड इंडसइंड बैंक के बाजू में कमल स्टोर के पास, नरसिंहपुर में कामधेनु डेयरी एवं स्वीट्स का शुभारंभ करेंगे।

जमीनी जल स्तर बढ़ाने वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की जरूरत

तेंदूखेड़ा। लगातार जमीन की कोख से और परम्परागत जल स्त्रोतों से पानी खींचे जाने का सिलसिला जारी बना हुआ है। लेकिन इन जल स्त्रोतों में पानी डाले जाने की दिशा में सार्थक प्रयास नहीं हो रहें हैं। और ना ही जमीनी जल स्तर बढ़ाने की दिशा में कोई सार्थक प्रयास भी नहीं हो रहे हैं।यहां तक कि क्षेत्रीय नदी नालों के साथ कुआ बावड़ियों के संरक्षण के म प्र की जीवनरेखा कहलाने वाली नर्मदा नदी से भी बड़ी संख्या में पानी लियातो जा रहा है लेकिनइसमें जल बढ़ाने की दिशा में कोई भी उचित पहल नहीं हो रही है।या विभिन्न अभियानों के माध्यम से केवल फोटो खिंचवाने और कागजी घोड़े दौड़ाये जाते हैं। जगह-जगह पक्के सड़क मार्ग बन जाने के बाद से जल स्त्रोतों का पानी या बरसात का पानी सीधा जमीन में ना जाकर बह जाता है।इस पानी को रोकने जमीन के भीतर पहुंचाये जाने की दिशा में मिलकर काम करने की जरूरत आ गई है। यदि समय रहते नहीं चेत पाये तो गंभीर रूप से स्थिती निर्मित हो जायेगी।

शासकीय भवनों में जरूरी हो वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

शासन लाखों करोड़ों अरबों रुपए खर्च करके बड़े बड़े आलीशान भवन तो बनवा रहा है। लेकिन इनके एक भी भवन में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम देखने को नहीं मिलता। यदि इन्हीं भवनों में ही यह सिस्टम बनने लगेंगे तो निश्चित तौर पर बहुत सा पानी जमीन के भीतर समाने लगेगा। चूंकि लोग भी अपनी सुविधा अनुसार आलीशान मकानों में तरह तरह की व्यवस्था कर रहा है। सबसे पहले धरती को चीर कर पानी की व्यवस्था करता है। लेकिन निस्तार या बरसात के पानी को सहेजने की दिशा में कोई भी उचित कार्रवाई नहीं करते।

गांवों के कुआं बाबडी बन गये कचड़ा दान

सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि तो यह बनीं हुई है कि पूर्व में लोग अपने गांवों में एक कुआं बावड़ियों का निर्माण जरुर करवाते थे इनके संरक्षण को लेकर धार्मिक मान्यताओं से जोड़ दिया जाता था लेकिन अब लोग इतने सुविधा भोगी हो गये हैं कि इनकी साफ सफाई की बात तो दूर का विषय है इनमें कचड़ा डाल कर इनका अस्तित्व ही मिटा डाला है। इनजलस्त्रोतों में पानी भरा रहने से आस पास का जमीनी जल स्तर भी बढ़ा रहता है और हेडपंप भी चलते रहते हैं।

नहीं बन पा रहे स्टाप डेम

एक और महत्वपूर्ण विषय यह भी है कि तेंदूखेड़ा क्षेत्र में बरांझ पांडाझिर सिंदूर नदियों पर कहीं भी स्टाप डेम नहीं बन पा रहे हैं।स्टाप डेम बनने से पानी भराव की स्थिति के चलते जमीनी जल स्तर बढ़ने और हेंडपंपों में पानी के साथ विभिन्न प्रकार के निस्तार होते रहते हैं। मवेशियों को पीने का पानी फसलों को समय पर पानी की व्यवस्था भी इनसे बन जाती है।

अंततः एक माह में भी नहीं सुधर सका बिगड़ा हैंडपंप, विभाग नहीं दे रहा ध्यान

डोभी। ग्रीष्म काल में पेयजल आपूर्ति को लेकर विकास खंड के लगभग हर गांव में विकराल समस्या बनीं रही और स्थानीय लोगों जनप्रतिनिधियों के द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों को सूचना दी लेकिन आज कल कर्मियों की कमी संसाधन नहीं का हवाला देकर जवाबदार अपनी जबाब दारी से बचते रहे हैं।समस्यायें आज भी ज्वलंत बनीं हुई है । ग्राम पंचायत के माध्यम से बार बार बोलने पर भी समस्या का आज तक निराकरण नहीं हो सका है। बरमान तेंदूखेड़ा सड़क मार्ग के बीच ग्राम डोभी में काफी लंबे समय से हेडपंप बिगड़ा पड़ा है।यहां के सरपंच प्रतिनिधि जितेन्द्र पटेल ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि विगत कई माह से कई स्थानों के हैंडपंप बिगड़े है। उनमें पानी नहीं आता जिससे ऐसी भीषण गर्मी में ग्रामीण बेहद परेशान है। ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाले हॉटबाजार पुराना बाजार चौधरी मुहल्ला एवं कई स्थानों के हैंडपंप बिगड़े पड़े है। कई बार इसकी शिकायत संबंधित विभाग को की जा चुकी है। उसके बावजूद सुधार कार्य नहीं किया जा रहा।सुधार कार्य करने के लिए विभाग द्वारा कई बार कर्मचारी नाम के लिए भेजे जाते है। कर्मचारी आधाअधूरा काम छोड़ कर एवं पर्याप्त सामग्री ना होने का बोलकर चले जाते हैं। उसके बाद विभाग द्वारा हैंडपंप सुधार कार्य की कई दिनों तक सुध नहीं ली जाती।जो कि कई दिनों तक जस का तस पड़ा रहा है। भीषण गर्मी में हैंडपंप सुधार कार्य ना होने के कारण ग्रामीण पानी के लिए बेहद परेशान है। ग्रामीणों ने शीघ्र ही हैंडपंप सुधार कार्य करने की मांग की है।